राकेश नागपाल
पूर्व चेयरमैन नगर सुधार मंडल

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421

सैकड़ों कांग्रेसियों ने मंहगाई के खिलाफ धरना देकर पुतला फूंका, सामूहिक गिरफ्तारी दी

करनाल। मंहगाई और आवाश्यक बस्तुओं पर जीएसटी लगाने के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का रौद्र रूप सड़कों पर दिखाई दिया। कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने डीसी कार्यालय के बाहर धरना देने के बाद सामूहिक रूप से गिरफ्तारी दी। इससे पहले कांग्रेसी वर्करो ने मंहगाई का पुतला फूँका। मंहगाई, आवश्यक बस्तुओं पर जीएसटी लगाए जाने, बेरोजगारी और अग्रिपथ योजना के खिलाफ कांग्रेस वर्कर नारेवाजी कर रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की अगुवाई जिला प्रभारी तथा पूर्व विधायक लहरी सिंह तथा पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा ने की।

कांग्रेस अब संसद से बाहर सडक पर लड़ाई लडने के लिए आक्रामक मुद्रा में आ गई हैं। ए आई सीसी तथा पी सी सी आई के निर्देश पर जिला कांग्रेस के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के बाहर 11 बजे से दोपहर एक बजे तक धरना दिया। बड़ी संख्या में पूर्व विधायक तथा सीनियर कांग्रेस जन तथा कांग्रेस वर्कर मौजूद थे। उसके बाद प्रदर्शन कर सैकड़ों कांग्रेस वर्कर ने सामूहिक गिरफ्तारी दी। पुतला दहन के बाद जब जीटी रोड जाम करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता आगे बढ़े तो रास्ते में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा ने कहा कि कहा कि मंहगाई, बेरोजगारी, अग्रिपथ योजना के खिलाफ कांग्रेस अब सडकों पर आक्रामक मुद्रा में उतर आई है। सरकार की तानाशाही के आगे कांग्रेस नहीं झुकेगी। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश गुप्ता मतलौडा ने कहा कि जनता की आवाज इसी तरह उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जीने से लेकर मरने तक जीएसटी लगाकर सरकार ने जनविरोधी होने का सबूत दे दिया हैं। पूर्व मंत्री भीम मेहता ने कहा जीने से मरने तक के सामान पर जी एस टी लगा दी है कांग्रेस इसके खिलाफ आंदोलन तेज करेंगे!

इस अवसर पर पूर्व विधायक गण नरेंद्र सांगवान राकेश कांबोज, रिसाल सिंह,त्रिलोचन सिंह, अनिल राणा, डॉ सुनील पवार, कमल मान, रघुवीर संधू, कृष्ण बसताड़ा पार्षद पप्पू लाठर , हरी राम साँभा, जोगेंद्र वाल्मीक ,राजेश वैद्य, रन पाल संधू, जोगेंद्र चौहान नाहर संधू,भूपेंद्र लाठर इंद्रजीत गुराया, निप्पी मान,अमरजीत धीमान, राजेश चौधरी, धर्मपाल कौशिक आदि कांग्रेस के सीनियर नेता गण,महिला नेता उषा तुली, डॉ गीता, रानी कांबोज, मीनू दुआ,सुषमा नागपाल, युवा अध्यक्ष मनिंदर सैंटी, रोहित, रमेश सैनी, बीरबल तंवर, नरेश संधू, अरुण पंजा बी, राजेंद्र सिंह,भोला, रामेश्वर, अनिल सैनी, जागीर सैनी, सुनेहरा वाल्मीक कौशल चौधरी, सिराज, रोहताश पहलवान, कर्म पाल, होशियार सिंह, राजेंद्र नम्बरदार कार्यकर्ता मौजूद थे।

रामेश्वर तेली के आने से सुपर....

पेज एक का शेष

जो ऑपरेशन थियेटर तथा वार्ड इत्यादि सेकेंडरी चिकित्सा के लिये बनाये गये थे। उन्हीं में यह सुपर स्पेशलिटी भी चलाने का प्रयास किया जा रहा है। जाहिर है आगे चलकर इसका दुष्प्रभाव सेकेंडरी मरीजों पर तो पड़ेगा ही, सुपर स्पेशलिटी वाले भी इससे बच नहीं पायेंगे। हाल-फिलहाल तो 10,20,30 मरीज़ों को ही सुपर स्पेशलिटी सेवायें प्रदान की जा रही हैं; लेकिन जिस तरह से पूरे हरियाणा व दिल्ली एनसीआर से मरीजों का आगमन बढता जा रहा है उसके लिये अलग से एक सुपर स्पेशलिटी खंड का शीघ्रातिशीघ्र बनाया जाना अति आवश्यक है।

इस खंड में कम से कम 10 ऑपरेशन थियेटर तथा 500 बेड की आवश्यकता होगी। इसके लिये संस्थान के इसी परिसर में खंडहर पड़ी पुरानी बिल्डिंग वाले स्थान पर एक बहुमंजिला इमारत बनाई जा सकती है। वैसे तो इस प्रोजेक्ट के बारे में केन्द्रीय श्रम मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव, जब पिछले दिनों यहां आये थे, को विस्तृत रूप से समझाया गया था जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया था। वही सब बातें इस दौरे पर श्रम राज्यमंत्री तेली को भी समझाई गई हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को कापोरेशन के एजेंडे पर रखने का भरोसा दिया है।

एमबीबीएस में 100-150 छात्र हो गये, पीजी में 49 छात्र पिछले वर्ष तथा 60 छात्र इस वर्ष आ जायेंगे और इतने ही अगले वर्ष भी आ जायेंगे। लेकिन दूरदर्शिता के अभाव में यहां केवल 100 छात्रों के लिये ही छात्रावास बनाया गया है जबकि आज यहां 600 छात्रों के लिये छात्रावास की आवश्यकता है। विदित है कि मेडिकल की पढ़ाई ऐसी है जिसमें छात्र और खास कर पीजी के छात्र अस्पताल से दूर नहीं रह सकते।

लेकिन छात्रावास के अभाव में उन्हें अस्पताल से करीब 10 किलोमीटर दूर सूरज कुंड रोड पर बनाये गये एक अस्थायी छात्रावास में रहना पड़ रहा है। वास्तव में इसे एनएचपीसी के फ्लैटों को किराये पर ले कर बनाया गया है। छात्रों को वहां से लाने-ले जाने के लिये डीलक्स बसों की व्यवस्था की गई है। इस पर करोड़ों रुपया तो खर्च हो ही रहा है साथ में छात्रों का कीमती वक्त भी बर्बाद हो रहा है। जल्दी से जल्दी नये हॉस्टल का निर्माण कराने के लिये मंत्री महोदय को एनएच पांच स्थित ईएसआई की वह डिस्पेंसरी भी दिखाई गई जहां पौने दो एकड़ जगह खाली पड़ी है। इसके साथ-साथ उन्हें तीन एकड़ के प्लॉट में खंडहर हुई पड़ी वह डिस्पेंसरी भी दिखाई गई जिसे अर्बन ट्रेनिंग सेंटर के लिये मेडिकल कॉलेज के हवाले किया जा चुका है। ततारपुर वाले ग्रामीण ट्रेनिंग सेंटर की योजना भी उनके समझ में आ गई।

एनएच पांच नम्बर में प्लॉट देखने गये तो डिस्पेंसरी भी दिख गई

विदित है कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल को तो कॉर्पोरेशन खुद चला रही है जबकि शहर की तमाम डिस्पेंसरियों व सेक्टर आठ के अस्पताल को चलाने का जिम्मा खट्टर सरकार के पास है। इन तमाम डिस्पेंसरियों व उस अस्पताल की दुर्दशा का विवरण **'मज़दूर मोर्चा'** लगातार देता आ रहा है। करीब ढाई बजे प्लॉट देखने पहुंचे मंत्री अचानक उस डिस्पेंसरी में भी जा पहुंचे। कम्प्यूटर पर बैठे एक कर्मी से कुछ पूछा तो उसने बताया कि वह तो ट्रेनी है, उसे कुछ पता नहीं। इसके बाद मंत्री महोदय पास वाले एक अन्य कमरे में गये तो वहां मौजूद एक फार्मासिस्ट से जब उन्होंने, एक साधारण व्यक्ति की तरह कुछ जानना चाहा तो उसने बड़बड़ाते हुए कहा कि यहां किसी चीज़ का कोई इंतजाम नहीं है, कोई सफाईकर्मी नहीं है। फर्श पर बिखरे कागज के टुकड़ों इत्यादि की ओर ध्यान दिलाते हुए मंत्री ने पूछा तो उसने बड़े तल्ख लहजे में कहा कि यह सफ़ाई करना उसका काम नहीं है।

इसी बीच उन्होंने कुछ मरीजों से भी दर्द भरी दास्तानें सुन ली थी। इसी आठ-दस मिनट के दौरान वहां मौजूद एक डॉ. वंदना को पता चल गया कि पूछ-ताछ करने वाला कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि केन्द्रीय मंत्री हैं। बस फ़िर क्या था, तमाम स्टाफ़ की चक्रघिन्नी बंध गई। सिविल सर्जन डॉ. अनिता खुराना जिनका दफ्तर भी वहीं है, जो अपने घर पर आराम फ़रमा रही थी दौड़ी-दौड़ी डिस्पेंसरी पहुंची तो सही लेकिन तब तक मंत्रीजी की गाड़ी गेट की ओर बढ़ चुकी थी। यानी कि डॉ. अनिता का दौड़ कर आना भी किसी काम न आया।

गौरतलब है कि उक्त डिस्पेंसरी तो वह है जहां खुद सिविल सर्जन का दफ्तर भी है। जब उस डिस्पेंसरी की यह दुर्दशा है तो शेष 14 डिस्पेंसरियों का तो भगवान ही मालिक हैं। डिस्पेंसरियों की इस दुर्दशा के चलते प्राइमरी व सेकेन्डरी हेल्थ केयर के वे मरीज़ भी सीधे मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचते हैं जिनका इलाज डिस्पेंसरियों तथा सेक्टर आठ के अस्पताल में हो जाना चाहिये। जाहिर है इसके चलते जिस मेडिकल कॉलेज को सुपर स्पेशलिटी सेवाओं की ओर बढना है वह प्राइमरी मरीजों में उलझ कर रह जाता है।

मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में औसतन 3500 मरीज़ रोजाना आते हैं। इनमें से करीब 2000 मरीज ऐसे होते हैं जिनका निपटारा डिस्पेंसरियों व सेक्टर आठ के अस्पताल में हो जाना चाहिये। वहां के अस्पताल में तमाम दवाईयां उपलब्ध हैं परन्तु वे डिस्पेंसरियों तक नहीं पहुंच पा रही। इसके परिणामस्वरूप मेडिकल कॉलेज में दवा लेने वालों की लम्बी लाइनें प्रात: 9 बजे से शाम के 6 बजे तक भी खत्म नहीं हो पातीं।

इन हालात में कार्पोरेशन को एक कड़ा नोटिस हरियाणा सरकार को जारी कर कहना चाहिये कि या तो वे अपनी तमाम डिस्पेंसरियों व अस्पताल को सुचारु ढंग से चला लें अथवा इन्हें कार्पोरेशन को सौंप दें। विदित है कि राज्य द्वारा चलाई जाने वाली ईएसआई सेवाओं के खर्च का सात बटा आठ कार्पोरेशन द्वारा दिया जाता है। केवल एक बटा आठ भाग ही राज्य सरकार द्वारा खर्च किया जाता है। तमाम तरह की भर्तियां व खरीद्दारी करने का अधिकार राज्य सरकार के पास है। लेकिन निकम्मेपन के चलते वह इसके प्रति पूर्णतया उदासीन है।

करनाल की ओर से नगर वासियों को

अनीश अरोड़ा, इनकम टैक्स एडवोकेट

करनाल की ओर से नगर वासियों को

Sanjay Madaan Income Tax Advocate